दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काज़ी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३२४ वा | बुधवार २५ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रुपये | पन्ने - ४

अम्पायर ने सीटी बजाई, मैच हो गया टाई

ट्रंप ने किया युद्धविराम का ऐलान, ईरान की चेतावनी और इजराइल की मुश्किलें

विशेष रिपोर्ट -(तामीर न्यूज़,)

१३ दिन की भयानक लड़ाई, सैकड़ों मौतें और अचानक एक सीटी - ये सीटी किसी खिलाड़ी ने नहीं, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बजाई। उन्होंने सोशल मीडिया पर ऐलान किया कि अब ईरान और इजराइल के बीच लड़ाई बंद हो गई है। लेकिन क्या ये लड़ाई सच में खत्म हो गई है? या बस कुछ देर के लिए रोक दी गई है?

१३ दिन की जंग: बर्बादी और चुप बैठी दुनिया

ये लड़ाई ग़ज़ा से शुरू हुई, जिसमें इजराइल ने बमबारी की और ईरान की मदद से हमास ने जवाब दिया। १३ दिन में ९०० से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए, हजारों घायल हुए। इजराइल में भी कुछ मौतें हुईं। दुनिया ीींश्रू चुप बैठी रही। सिर्फ चिंता जताई गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ट्रंप का अचानक ऐलान

१३वें दिन ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा:

हमने बड़ी तबाही रोक ली है। ईरान और इजराइल अब युद्धविराम के लिए राजी हो गए हैं।

ट्रंप जो पहले इजराइल के बड़े समर्थक थे, अब दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद इजराइल की नीतियों की आलोचना भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा:

फिलिस्तीनियों का कत्ल बंद होना चाहिए। इजराइल अपनी हद में रहे, लेकिन ग़ज़ा को बर्बाद न करे।

ईरान का सख्त जवाब

ईरान ने कहा कि उसने इजराइल को

सबक सिखा दिया है। इस बार ईरान ने सीधे लड़ाई नहीं की, लेकिन हिज़बुल्लाह, हमास जैसे समूहों के ज़रिए इजराइल पर दबाव बनाया। ईरान के नेताओं ने इजराइल को आतंकी देश कहा और कहा कि अब वो सिर्फ ग़ज़ा नहीं, पूरे क्षेत्र में जवाब देगा।

इजराइल की चिंता

हालांकि इजराइल के पास ताक़त है, लेकिन इस लड़ाई के बाद वहां भी गुस्सा है। कई यहूदी लोग सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ सवाल अब खुलकर पूछे जा रहे हैं:

क्या इस लड़ाई की जरूरत थी?

क्या हमास कमजोर हुआ या और ताक़तवर?

क्या ईरान को नजरअंदाज करना सही है?

दुनिया की चुप्पी

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और मुस्लिम देश सिर्फ बयान जारी करते रहे, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। फिलिस्तीन के लोग तबाह हो रहे थे, और दुनिया सिर्फ देख रही थी।

मैच टाई - लेकिन क्यों?

मैच टाई का मतलब ये नहीं कि कोई नहीं हारा। फिलिस्तीन के लोग मारे गए, उनके घर टूटे, उनकी ज़िंदगी बर्बाद हो गई। इजराइल को भी दुनिया की आलोचना झेलनी पड़ी। और अब जब ट्रंप जैसे नेता भी इजराइल पर सवाल उठाते हैं, तो ये दिखाता है कि हालात बदल रहे हैं।

नतीजा: क्या वाकई कुछ बदलेगा?

ट्रंप की आलोचना, ईरान की चेतावनी और फिलिस्तीनी लोगों की हिम्मत - ये सब अगर मिलकर आगे कोई नया रास्ता बनाएं, तो हो सकता है दुनिया में बदलाव आए।

लेकिन अगर हर बार एक अम्पायर सिर्फ सीटी बजाता रहेगा, और कोई इंसाफ न होगा, तो हर बार यही होगा - मैच टाई और लाशें ज़्यादा।

मध्य पूर्व में १३ दिन बाद युद्धविराम, ट्रंप ने की घोषणा, कतर ने निभाई निर्णायक भूमिका

मुंबई, २४ जून । विशेष संवाददाता

मध्य पूर्व में १३ दिनों से जारी ईरान-इज़राइल संघर्ष के बाद सोमवार देर रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चरणबद्ध युद्धविराम (फेज़्ड सीज़फायर) का ऐलान किया। इस युद्धविराम की पुष्टि खुद ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए की, जिसमें उन्होंने कतर की मध्यस्थता को निर्णायक बताया। ट्रंप के अनुसार, यह शांति समझौता ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच कई दौर की बातचीत के बाद संभव हो पाया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि यह मध्य पूर्व के लिए शांति की ओर एक नई शुरुआत है। उन्होंने ईरान को भी युद्धविराम की पहल करने वाला देश बताते हुए इसे एक सार्थक कदम करार दिया।

इस घोषणा के क़रीब नौ घंटे बाद इज़राइल और ईरान दोनों ने भी युद्धविराम की पुष्टि की, हालाँकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सीमावर्ती इलाक़ों में छोटे पैमाने पर मिसाइल हमले देखे गए। इज़राइल ने दावा किया कि युद्धविराम के तुरंत बाद ईरान की ओर से कुछ मिसाइलें दागी गईं, जबकि ईरान ने ऐसे किसी हमले से इनकार किया।

कतर की भूमिका इस युद्धविराम में अत्यंत महत्वपूर्ण रही। कतर के अमीर और प्रधानमंत्री ने न केवल गुप्त रूप से मध्यस्थता की, बल्कि शांति प्रयासों के तहत मानवीय और आर्थिक सहायता का भी वादा किया है। ट्रंप प्रशासन ने कतर की भूमिका को मौन शांति दूत बताया है।

युद्ध के १३ दिनों में इज़राइल को गंभीर मानवीय नुकसान उठाना पड़ा है। जानकारी के अनुसार, लगभग २८ इज़राइली नागरिक मारे गए और १३०० से अधिक घायल हुए। वहीं, ईरान को रणनीतिक रूप से नुकसान पहुँचा है, विशेषकर उसके वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों पर इज़राइली हमलों के कारण।

ट्रंप के मुताबिक, यह युद्धविराम स्थायी नहीं बल्कि चरणबद्ध है। आने वाले दो दिनों में कतर की राजधानी दोहा में दोनों देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों के बीच औपचारिक समझौते पर बातचीत होगी। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि यह समझौता अगले कुछ सप्ताह में स्थायी शांति का रूप ले सकता है।

गौरतलब है कि इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इस युद्धविराम को रणनीतिक सफलता बताया है, जबकि ग़ाज़ा में स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। हज़ारों लोगों की मौत और तबाही के बावजूद फिलहाल राहत की एक किरण ज़रूर नज़र आई है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, ट्रंप के इस क़दम से अमेरिका की मध्य पूर्व नीति में बदलाव के संकेत मिलते हैं। यह भी माना जा रहा है कि आगामी अमेरिकी चुनावों से पहले ट्रंप वैश्विक मंच पर फिर से एक मज़बूत नेता की छवि गढ़ने की कोशिश में हैं।

राज्य के हर जिले में स्थापित होंगे 'सीट्रिपलआईटी' केंद्र: उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निर्देश

मुंबई । विशेष प्रतिनिधि

राज्य के युवाओं को रोजगारपरक और अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में 'सीट्रिपलआईटी' यानी Center for Invention, Innovation, Incubation and Training (CIIIT) केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को इसके लिए एमआईडीसी के माध्यम से ज़मीन उपलब्ध कराने और जिला योजना समिति से १५% निधि देने के निर्देश दिए।

फिलहाल राज्य में १० सीट्रिपलआईटी केंद्रों को मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि शेष २६ जिलों में जल्द से जल्द इसी तर्ज पर केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है।

यह निर्णय मंत्रालय में आयोजित एक समीक्षा बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने की। इस बैठक में उद्योग मंत्री उदय सामंत, सांसद सुनील तटकरे, योजना विभाग के अपर मुख्य सचिव व विकास आयुक्त डॉ. राजगोपाल देवरा, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, कौशल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव मनिषा वर्मा, उद्योग विभाग के सचिव डॉ. अनबलगन पी., महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल (एमआईडीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. वेलरासू, उपमुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव राजेश देशमुख, कौशल विकास सोसायटी के सीईओ लहू माळी, और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अजित पवार ने बैठक में कहा कि,

राज्य के युवाओं को वैश्विक स्तर का प्रशिक्षण मिलना चाहिए ताकि वे कौशल संपन्न बनकर रोजगार योग्य हो सकें। इसमें कोई समझौता नहीं होना चाहिए। हर जिले में कम से कम एक सीट्रिपलआईटी केंद्र स्थापित होना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि टाटा कंपनी के सहयोग से जल्द से जल्द सभी शेष जिलों में केंद्र शुरू किए जाएं।

इन केंद्रों के माध्यम से हर साल हजारों युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (-ख), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग जैसे अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे राज्य में तकनीकी दक्षता और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

मराठवाड़ा क्षेत्र की सभी रेल मांगें जल्द पूरी हों-सांसद रजनी पाटील

केज, २४ जून । प्रतिनिधि

पुणे में सोमवार (२३ जून) को आयोजित रेल्वे समिति की बैठक में सांसद रजनी पाटील ने मराठवाड़ा क्षेत्र के रेलवे विकास से जुड़ी विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बीड़, लातूर, उस्मानाबाद समेत मराठवाड़ा के सभी जिलों के रेलवे से संबंधित मुद्दों को रखते हुए कहा कि क्षेत्र में रेलवे स्टॉपेज, नई रेल मार्गों और अन्य सुविधाओं की सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

बैठक में जिन प्रमुख रेल मार्गों पर चर्चा हुई, उनमें निम्नलिखित प्रस्ताव शामिल हैं:

घाटनांदूर-अंबाजोगाई-केज-नेकनूर-मांजरसुंभा-पाटोदा-आष्टी-जामखेड-कर्जत-श्रीगोंदा (दौंड) रेल मार्ग (रक्षा मंत्रालय से सर्वेक्षण के लिए मंजूरी प्राप्त)

सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद-लातूर-अंबाजोगाई-परळी-सोनपेठ-पाथरी-मानवत-पाचलेगाव-जिंतूर-औंढा नागनाथ-नरसी-हिंगोली रेल मार्ग

इसके अलावा सांसद रजनी पाटील ने जोर देकर कहा कि परळी और लातूर जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों से नए रूट्स जोड़े जाएं जिससे मराठवाड़ा जैसे पिछड़े क्षेत्र को विदर्भ और उत्तर भारत (दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश आदि) से सीधे जोड़ा जा सके। इससे न केवल व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विकाराबाद-बिदर-लातूर-कुर्डुवाडी रेल मार्ग पिछले दस वर्षो से चालू है, लेकिन इस पर बहुत कम यात्री गाड़ियाँ चलाई जा रही हैं। इस रूट का उपयोग विशाखापट्टनम, विजयवाड़ा और हैदराबाद से मुंबई/पुणे तक नई गाड़ियों के संचालन के लिए किया जा सकता है।

महाप्रबंधक धरमवीर मीना ने आश्वासन दिया कि इन विषयों पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी और जल्द ही नए रेल मार्गो को मंजूरी मिल सकती है।

मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में ५ महीने में ८% मतदाता वृद्धि, यह सीधा मत चोरी का मामला है: हर्षवर्धन सपकाळ

मुंबई, २४ जून । रिपोर्टर: जमीर काज़ी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठबंधन द्वारा कथित मत चोरी से सत्ता में आने के आरोपों को लेकर विपक्ष द्वारा एक बार फिर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नागपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में केवल ५ महीनों में ८% मतदाताओं की वृद्धि दर्ज की गई है, जो सीधे तौर पर चुनावी धांधली का संकेत देती है।

उन्होंने कहा कि यह वही मुद्दा है जिसे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार उजागर करते आ रहे हैं। राहुल गांधी के हालिया ट्वीट के बाद सत्ताधारी और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर फिर शुरू हो गया है।

यह तो राहुल गांधी के निराशा का प्रदर्शन है-देवेंद्र फडणवीस

मुंबई । फोटो: जमीर काज़ी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निराश हुए राहुल गांधी अब तर्कहीन आरोप लगाकर अपनी हार का ठीकरा बढ़े हुए मतदान प्रतिशत पर फोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। अगर उन्होंने उसी बढ़े हुए मतदान प्रतिशत के चलते जीतने वाले कांग्रेस उम्मीदवारों से ही सच्चाई जान ली होती, तो हवा में तीर चलाने की नौबत नहीं आती। ऐसा तीखा पलटवार मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

फडणवीस ने कहा कि विधानसभा चुनाव में बढ़े मतदान प्रतिशत को लेकर चुनाव आयोग पहले ही स्पष्टता दे चुका है, इसके बावजूद राहुल गांधी हार की निराशा में बार-बार वही शंका का माहौल बना रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि:

मालाड विधानसभा क्षेत्र में ११% (३८,६२५) नए मतदाता जुड़े, वहां कांग्रेस के असलम शेख जीते।

पश्चिम नागपुर में ७% (२७,०६५) मतदाता बढ़े, वहां भी कांग्रेस के विकास ठाकरे विजयी हुए।

उत्तर नागपुर में ७% वृद्धि दर्ज हुई, और वहां भी कांग्रेस के नितिन राऊत को जीत मिली।

वडगांव शेरी (पुणे) में १०% (५०,९११) मतदाता बढ़े, यहां शरद पवार गुट के बापूसाहेब पठारे विजयी हुए।

मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र में ९% मतदाता बढ़े, यहां भी शरद पवार गुट के जितेंद्र आव्हाड को जीत मिली।

फडणवीस ने कहा कि अगर राहुल गांधी ने अपने ही गठबंधन के विजयी प्रत्याशियों से इन तथ्यों की जानकारी ली होती, तो उन्हें बिना आधार के आरोप लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह जनादेश का सम्मान करने की बजाय हार का कारण खोजने में गलत दिशा में निशाना साध रहे हैं।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मस्जिदों और दरगाहों से लाउडस्पीकर हटाने के पुलिस नोटिस के खिलाफ हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर

मुंबई, २४ जून (यूएनआई)
मुंबई की मस्जिदों, दरगाहों और मदरसों से लाउडस्पीकर हटाने और महत्वपूर्ण दस्तावेज जमा करने के मुंबई पुलिस के नोटिस के खिलाफ विक्रोली पार्क साइट की मस्जिदों के जिम्मेदारों ने आज एपीसीआर (-झउठ) की मदद से मुंबई हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की।

यह याचिका क़ौमी अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता यूसुफ हाटिम मछाला के मार्गदर्शन और महाराष्ट्र एपीसीआर के उपाध्यक्ष अधिवक्ता ऑन रिकॉर्ड अब्दुल करीम पठान की कानूनी मदद से दायर की गई।

एपीसीआर महाराष्ट्र के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद असलम गाज़ी ने बताया कि एपीसीआर देश की १९ राज्यों और महाराष्ट्र के २५ जिलों की निचली अदालतों, कई हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में मानवाधिकार संरक्षण के लिए ३००० से अधिक मुकदमे देख रही है।

उन्होंने आगे बताया कि इस मामले में एपीसीआर की लीगल टीम में अधिवक्ता अकील अहमद खान, अधिवक्ता अल्ताफ अहमद खान और लॉ स्टूडेंट तहरीम भी शामिल हैं।

इस संवेदनशील मुद्दे को सुलझाने के लिए उलेमा, समुदाय के प्रतिष्ठित लोग, राजनेता, वकील और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मस्लकी और राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर एकता और साझा चिंता का परिचय दिया। कई लोगों ने एपीसीआर को नैतिक सहयोग भी प्रदान किया। लीगल टीम और फील्ड वर्कर्स ने दिन-रात मेहनत कर याचिका तैयार की और उसमें शामिल किए जाने वाले तथ्य और सामग्री एकत्र की।

ध्वनि विज्ञान, उपकरणों और प्रदूषण से संबंधित तकनीकी जानकारी रखने वाले प्रिंसिपल आलम खान ने पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान के सुझाव पर एपीसीआर को भरपूर तकनीकी सहयोग प्रदान किया। एपीसीआर के सदस्य अब्दुलवाहिद फर्नाडीज़ और आलम खान ने शहर और उपनगरों का दौरा कर मस्जिदों, दरगाहों और मदरसों के जिम्मेदारों, ट्रस्टियों, उलेमा और इमामों को उनके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी और पुलिस व राजनीतिक दबाव का कानूनी रूप से सामना करने का हौसला दिया।

इस पूरे अभियान में संबंधित मस्जिदों, दरगाहों, मदरसों के ट्रस्टियों, जिम्मेदारों, उलेमा और इमामों ने भी साहसिक रूप से एपीसीआर का समर्थन किया।

अवैध गांजा खेती पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बीड, २४ जून २०२५ (प्रतिनिधि)
दिनांक २४ जून २०२५ को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर पिंपरी आष्टी क्षेत्र के गट क्रमांक ७१ में अवैध रूप से गांजा की खेती किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। इस सूचना की पुष्टि के बाद, पुलिस उपअधीक्षक श्री. बाळकृष्ण हानपुडे पाटील, डञ्झज आष्टी के नेतृत्व में पुलिस पथक और पंचों की मौजूदगी में उक्त स्थान पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान, घनश्याम बाबुराव डांगरे (उम्र ५३ वर्ष, निवासी पिंपरी आष्टी) के स्वामित्व वाले खेत में अवैध गांजा की खेती पाई गई। खेत से कुल ८ ताजे गांजा के पौधे बरामद किए गए, जिनका वजन १३.३४० किलोग्राम है। पंचनामा कर इन पौधों को जब्त किया गया, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग ३,३३,५०० रुपये है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री. नवनीत काँवत, अपर पुलिस अधीक्षक श्री. सचिन पांडकर, और पुलिस उपअधीक्षक श्री. बाळकृष्ण हानपुडे पाटील के मार्गदर्शन में की गई। इस संयुक्त ऑपरेशन में सपोनि विजय नरवाडे, सपोनि विक्रांत हिंगे, पोउपनि श्रीकृष्ण शिंदे, पो.ह. देविदास जमदाडे, सुनील अलगट, प्रवीण क्षीरसागर, संतोष दराडे, कृष्णा डोके, राम आगरकर, भरत कोळेकर, सचिन पवळ, संध्या लोंढे, और राम भाग्यवंत की टीम शामिल थी।इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू है, और गांजा की खेती करने वाले व्यक्ति के खिलाफ NDPS अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए छात्र जयंत वासनिक ने जन्मदिन पर बांटे फलदार पौधे

बीड़, २४ जून २०२५ । प्रतिनिधि
तुलसी इंग्लिश स्कूल, बीड़ में नवमी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र जयंत प्रशांत वासनिक ने अपने जन्मदिन को एक अनोखे और प्रेरणादायी तरीके से मनाते हुए स्कूल के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को फलदार पौधे भेंट किए।

आमतौर पर लोग अपने जन्मदिन पर प्रचार-प्रसार और दिखावे पर जोर देते हैं जिससे समाज को कोई ठोस लाभ नहीं होता, लेकिन इस स्कूली छात्र ने एक नया आदर्श स्थापित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वर्तमान समय में भारी मात्रा में पेड़ों की कटाई हो रही है, जिसका दुष्परिणाम संपूर्ण मानव जाति और जीव-जंतुओं को भुगतना पड़ रहा है। इसके बावजूद अधिकांश लोग इस गंभीर समस्या को लेकर चिंतित नहीं दिखते, बल्कि वृक्षों की अंधाधुंध कटाई लगातार बढ़ती ही जा रही है। यदि यही स्थिति बनी रही तो जिस प्रकार पृथ्वी से वृक्ष समाप्त हो रहे हैं, उसी प्रकार अन्य जीव-जंतु भी विलुप्त हो सकते हैं। पेड़ न रहने की स्थिति में मानव जीवन के लिए आवश्यक हवा और पानी का स्रोत भी समाप्त हो जाएगा।

छात्र जयंत ने यह संदेश दिया कि हमारे जीवन में अनेक खुशी के मौके आते हैं, उन अवसरों पर अनावश्यक खर्च करने के बजाय यदि हम प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा भेंट करें या स्वयं एक पौधा लगाएं, तो निश्चित रूप से हमारा देश फिर से हराभरा और समृद्ध बन सकता है।

इस प्रेरणादायी उपक्रम के अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या आयु. उमा जगतकर ने उपस्थित सभी लोगों से अपील की कि वे भी इस छोटे विद्यार्थी से प्रेरणा लेकर वृक्षारोपण जैसे उपक्रमों में भाग लें और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

इस अवसर पर जयंत वासनिक के माता-पिता, विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मौलाना डॉ. काझी सगीरुद्दीन सिद्दीकी का दुखद निधन

बीड, २४ जून २०२५ (प्रतिनिधि)
मौलाना डॉ. काझी सगीरुद्दीन सिद्दीकी का मंगलवार, २४ जून २०२५ को हैदराबाद में दुखद निधन हो गया। वे शादान जूनियर कॉलेज, हैदराबाद में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। निधन के समय उनकी आयु ६२ वर्ष थी। उनके पीछे पत्नी, तीन बेटियाँ और दो भाईयों का परिवार है।

उनके निधन पर हर ओर शोक व्यक्त किया जा रहा है।डॉ. सगीरुद्दीन सिद्दीकी का जन्म धोंडराई (तहसील गेवराई, जिला बीड) में हुआ था। वे मरहूम काझी गाझीयोद्दीन के छोटे पुत्र और काझी अजीजोद्दीन (सेवानिवृत्त पोस्टमैन, बालेपीर, बीड) के छोटे भाई थे। उनके निधन से शैक्षणिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। अल्लाह तआला उनकी मगफिरत करे और उन्हें जन्नतुल फिरदौस में उच्च स्थान प्रदान करे, आमीन। दैनिक तामीर काझी खानदान के ग़म मे बराबर का शरिक है।

वाल्मिक कराड के वकीलों ने मकोका हटाने के लिए रखे कानूनी तर्क, उज्ज्वल निकम ने ५० मिनट में कर दी थज्जियां

बीड, २४ जून २०२५ । प्रतिनिधि
संतोष देशमुख हत्याकांड को पांच महीने पूरे हो चुके हैं। इस प्रकरण के मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड की बीड स्थित मकोका न्यायालय में आज आठवीं सुनवाई हुई। इस सुनवाई में विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम भी मौजूद रहे।

वाल्मिक कराड के वकीलों ने अदालत के समक्ष यह तर्क रखा कि कराड का इस साजिश में कोई हाथ नहीं है और उसके खिलाफ लागू मकोका कानून को हटाया जाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कानून के कई बिंदुओं का विस्तार से उल्लेख किया।

लेकिन सरकारी पक्ष के वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम ने मात्र ५० मिनट में ही विपक्ष के सभी तर्कों को खारिज कर दिया। उन्होंने डिजिटल सबूतों का हवाला देते हुए कहा कि मामले को एक समग्र दृष्टिकोण (हेलिकॉप्टर व्यू) से देखा जाना चाहिए, न कि टुकड़ों में बाँटकर।

वाल्मिक कराड के वकील मोहन यादव और विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम के बीच करीब दो घंटे तक जोरदार बहस चली। कराड के वकीलों ने दावा किया कि संतोष देशमुख हत्याकांड से जुड़े तीनों अपराध अलग-अलग हैं और हर एफआईआर के लिए अलग-अलग चार्जशीट होनी चाहिए।

सरकारी वकील निकम ने इसका तीखा प्रतिवाद किया और कहा कि अपराधों में आपसी संबंध है तथा एक संगठित अपराध के तहत ही इन सभी घटनाओं को जोड़ा गया है।

कोर्ट में आज की कार्यवाही लगभग तीन घंटे तक चली। अब इस मामले की अगली सुनवाई ७ जुलाई को निर्धारित की गई है।

गेवराई शहर में जिलास्तरीय तैराकी स्पर्धा का आयोजन संपन्न, पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित ने वितरित किए पुरस्कार

गेवराई, २४ जून । प्रतिनिधि
प्रत्येक नागरिक को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए तैराकी एक बेहतरीन व्यायाम है। गेवराई में निर्मित जलतरण तलाव (स्विमिंग पूल) के माध्यम से नागरिकों को उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पानी की गुणवत्ता, स्वच्छता और प्रशिक्षित स्टाफ के कारण इसका लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। महिलाओं के लिए महिला प्रशिक्षकों की भी नियुक्ति की जाएगी और भविष्य में भी गेवराईकरों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए हम कटिबद्ध हैं। यह बात राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव व पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित ने आज आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कही।

यह कार्यक्रम पूर्व सरपंच संदीप राजगुरु और ड. स्वप्निल येवले के संयुक्त प्रयास से नगर परिषद जलतरण तलाव, कोल्हेर रोड, गेवराई में जिलास्तरीय तैराकी स्पर्धा के रूप में आयोजित किया गया था। यह स्पर्धा पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी।

इस अवसर पर नगरसेवक शामकाका येवले, आयोजकगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रस्तावना ड. स्वप्निल येवले ने प्रस्तुत किया, जबकि छात्रा कु. शितल कोकाटे ने अपने अनुभव साझा करते हुए गेवराई शहर में जलतरण तलाव जैसी सुविधा उपलब्ध कराने पर अमरसिंह पंडित का आभार व्यक्त किया।

स्पर्धा में विभिन्न आयु वर्गो में विजयी प्रतियोगियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। विजेता इस प्रकार रहे:

३ से ५ वर्ष (लड़के): शिवेंद्र जाधव, मानस शिंदे, कौस्तुभ ढाकणे

३ से ५ वर्ष (लड़कियाँ): कु. राजेश्वरी जाधव

६ से ९ वर्ष (लड़के): चि. द्रोण बहिर, यज्ञेश सानप, अन्वेष सानप

६ से ९ वर्ष (लड़कियाँ): कु. पंकजा ढाकणे, सानवी जिक्रे, ऋतिका मोटे

१० से १३ वर्ष (लड़के): अर्णव कुलकर्णी, शौर्य भालशंकर, काशीद रंजीत

१० से १३ वर्ष (लड़कियाँ): आर्या सानप, मानसी कोकाटे, श्रुतिका मोरे

१४ से १६ वर्ष (लड़के): यशवंत लेंडगुळे, साहिल बालशंकर, सार्थक ढाकणे

१४ से १६ वर्ष (लड़कियाँ): शितल कोकाटे, कीर्ती इधे, सारंगी पुरी

१६ से २० वर्ष (लड़के): शेख शाहिद अयूब १६ से २० वर्ष (लड़कियाँ): प्रगती वायकर खुला गट (पुरुष), ५० मीटर: धनंजय मुंडे, बागेश्वर पिकवणे, सुनील जाधव

खुला गट (पुरुष), ५० मीटर बैकस्ट्रोक: अर्णव कुलकर्णी, सार्थक ढाकणे, सर्वेश जाजू

खुला गट (महिला), ५० मीटर बैकस्ट्रोक: शितल कोकाटे, मानसी कोकाटे, प्रणिती जाजू

कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन अशोक गलांडे ने किया।

पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित ने आयोजनकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नवोन्मेषी उपक्रम समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसे आयोजनों को वे भविष्य में भी अपना पूरा सहयोग देते रहेंगे।

आ.संदीप क्षीरसागर यांनी घेतली चौसाळा जि.प.गटाची बैठक

वानगाव येथे 'आमदार आपल्या दारी' मोहीमेला उत्स्फूर्त प्रतिसाद

बीड, दि. २४ (प्रतिनिधी):- नागरिकांच्या शासकीय कामातील अडचणी सोडवण्यासाठी आणि सामान्य नागरिकांशी संवाद साधण्यसाठी प्रशासकीय विभागांसोबत बीड तालुक्यातील चौसाळा जिल्हा परिषद गटातील गावांची वानगाव येथे मंगळवारी (दि.२४) रोजी आ.संदीप क्षीरसागर यांनी 'आमदार आपल्या दारी' या विशेष मोहीमेअंतर्गत बैठक कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला होता. या कार्यक्रमात स्थानिक नागरिकांच्या समस्यांचे निराकरण करण्यावर भर देण्यात आला.या कार्यक्रमादरम्यान, श्रावण बाळ आणि संजय गांधी निराधार योजनेच्या मंजूरी पत्रांचेही प्रातिनिधिक स्वरूपात वाटप करण्यात आले.

या कार्यक्रमात आ.संदीप क्षीरसागर यांनी चौसाळा जिल्हा परिषद गटातील नागरिकांशी संवाद साधत त्यांच्या अडचणी जाणून घेतल्या आणि तात्काळ निराकरणासाठी संबंधित अधिकाऱ्यांना सूचना दिल्या. 'आमदार आपल्या दारी' ही संकल्पना गावागावांतील लोकांच्या समस्या थेट त्यांच्या दारी जाऊन सोडवण्यासाठी आणि लोकांशी संवाद साधण्यासाठी असून शासकीय योजनांचा लाभ गरजूंपर्यंत पोहोचवणे आणि प्रशासकीय प्रक्रियांमधील अडथळे दूर करणे हा आमचा मुख्य उद्देश असल्याचे आ.क्षीरसागर यांनी सांगितले. या उपक्रमाला चौसाळा जिल्हा परिषद गटातील सर्वसामान्य लोकांनी उत्स्फूर्त प्रतिसाद दिला असून, अशा प्रकारच्या मोहिमांमुळे शासकीय योजनांचा लाभ थेट लोकांपर्यंत पोहोचत असल्याचे मत त्यांनी व्यक्त केले. या बैठकीस माजी आ.सय्यद सलीम यांच्यासह तहसीलदार आणि तहसील कार्यालयाचे सर्व अधिकारी, पंचायत समिती, महावितरण, कृषी विभाग, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, पाणीपुरवठा विभाग, लघुपाटबंधारे विभाग आदी प्रशासकीय विभागांचे अधिकारी व चौसाळा जिल्हा परिषद गटातील गावांमधील नागरिक उपस्थित होते.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com